फरीदाबाद
जागरण सिटी

कलेक्टर रेट में ब
खिलाफ प्रदर्शन

...फिर तो आधी आबादी को नहीं मिलेगा पानी

फरीदाबाद, जागरण संवाद केंद्र : भूजल स्तर में निरंतर गिरावट खतरे की घंटी है। पांच वर्ष में भूमिगत जल 30 फुट नीचे चला गया है। यही वजह है, हर वर्ष गर्मी में लाखों लोग जल संकट से जूझते हैं। जब भीषण गर्मी पड़ रही होगी, तब इस जिले के लगभग पांच लाख लोगों का हलक सूख रहा होगा। इन हालातों को देखते हुए जल संरक्षण में सामूहिक भागीदारी की जरूरत है। केंद्रीय भूजल कार्यालय की रिपोर्ट में साफ है कि जल संचयन के प्रति लोगों की उदासीनता और अंधाधुंध हो रहे जल दोहन से जल संकट पैदा हुआ है। पिछले सप्ताह स्थानीय केंद्रीय भूजल बोर्ड के कार्यालय में जल संरक्षण विषय पर हुए सेमिनार में इस बात पर चिंता व्यक्त की गई थी कि बेहिसाब जल दोहन यूं ही चलता रहा तो 2020 में जिले की आधी आबादी को पानी नसीब नहीं होगा।

जल संचयन तकनीक अपनाने के लिए प्रेरित कर रहे गुलाटी

कन्फेडरेशन ऑफ रेजीडेंट वेलफ़ेयर एसोसिएशन के महासचिव एएस गुलाटी सभी वेलफेयर एसोसिएशन के पदाधिकारियों को काफी समय से जल संचयन तकनीक अपनाने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। गुलाटी कहते हैं कि भूजल स्तर को उठाने में जल संचयन यानी रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम अहम भूमिका निभाता है। सामुदायिक भवनों, स्कूल भवनों और अन्य बड़े भवनों की छतों पर रूफ टॉप सिस्टम लगा कर पानी को पाइपों के जरिए धरती के अंदर तक पहुंचाया जा सकता है।

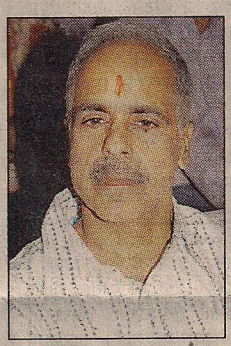

प्रवीण कुमार

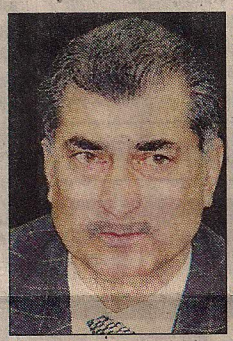

एनके कटारा

एएस गुलाटी

लगेंगे 550 रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम : कटारा

निगम के मुख्य अभियंता एनके कटारा कहते हैं कि जल संरक्षण के लिए प्रशासन भी गंभीर है। जिले में 550 रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगने हैं, जिनमें से 70 प्वाइंट विभिन्न पार्कों में लग चुके हैं।

सामूहिक भागीदारी की जरूरत : उपायुक्त

जिला उपायुक्त प्रवीण कुमार कहते हैं कि सही मायने में तो लोगों को जल संकट मिटाने के लिए सामूहिक भागीदारी निभानी होगी। वैसे जल दोहन पर प्रतिबंध के लिए मीटरिंग प्रणाली शुरू की जाएगी। इससे अंधाधुंध जल दोहन रुकेगा।

आने वाले समय में लोगों को भी बिजली बिल की तरह पानी का मोटा बिल चुकता करना पड़ेगा। इससे भी जल की बर्बादी रुकेगी।

जल दिवस पर विशेष

- भूमिगत जलस्तर 30 फुट तक चला जा चुका है नीचे